रिसर्च पंजाब पब्लिक स्कूल नाभा में जारी आईसीटी कॉनक्लेव में संस्कार वैली स्कूल भोपाल के स्टूडेंट्स ने कार का मॉडल पेश किया

कैप के बाद सेंसर लगी कार जो खुद ही रास्ता बदल लेगी

अमित शुक्ला | पटियाला (नाभा)

कल्पना कीजिए कि आप रास्ते में कार से जा रहे हैं, और अचानक से सामने कार या कोई दूसरा वाहन आ जाए। ऐसे में एक्सीडेंट की पूरी आशंका बनी रहती है। अब आप सोचिए कि सामने से आ रहे वाहन या कार को देखकर आपका वाहन रास्ता बदल ले। भले ही यह सब दूर की बातें लगती हों, पर भविष्य में यह आपके सामने होगा। पंजाब पब्लिक स्कूल नाभा में जारी 4 दिन के आईसीटी कॉनक्लेव में संस्कार वैली स्कूल भोपाल के विवान और संजीव ने ऐसी ही कार का मॉडल पेश किया। उनकी सेंसर वाली कार के इस मॉडल को प्रतियोगिता में दूसरा स्थान मिला। इससे पहले रविवार को स्टूडेंट्स ने दृष्टिहीनों के लिए सेंसर लगी कैप का मॉडल पेश किया था। कार

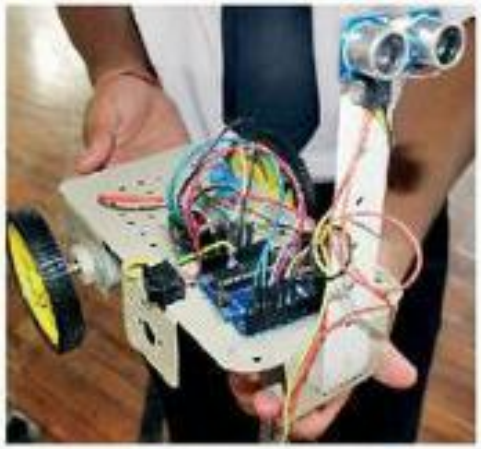

सेंसर लगी कार को स्टूडेंट्स विवान और संजीव ने बनाया है। इस पर 1200 रुपए खर्च आया है।

का मॉडल बनाने वाले संजीव और विवान ने बताया कि आम जिंदगी में कई हादसे होते रहते हैं। ट्रेन, बस, गाड़ियों की टक्कर होती रहती है। उनकी कार की प्रोग्रामिंग को बस, कार, ट्रेन या दूसरे वाहनों में फिट कर हादसों को रोका जा सकता है। संजीव ने बताया कि कार में सामने सेंसर लगा है, जो 1.5 दूर किसी भी चीज को पहचान रास्ता बदल लेगी।

कार में क्या खास : कार के मॉडल में सेंसर लगाया है। जो इंफ्रारेड रेज को उत्सर्जित करेगा। वह रेज जब वापस सेंसर से टकराएंगी तो वह कार अपना रास्ता बदल लेगी। इसमें मोटर का भी इस्तेमाल किया गया है। इसें बदलाव संभव है। कार का मॉडल बनाने में विवान और संजीव को केवल 4 घंटे लगे। उनके मुताबिक प्रोग्रामिंग तो पहले से ही तय थी, केवल मोटर की व्यवस्था करने में टाइम लगा था। फिलहाल इस पूरे मॉडल पर 1200 रुपए का खर्च आया है।

आईसीटी कॉनक्लेव के चौथे दिन दिव्यांश और वैदिक ने पाथ फाइंडर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने पहले से तय पाथ पर अपना रोबोट चलाया। उनके मुताबिक बिना ड्राइवर और हादसे रोकने मे इस तरह के मॉडल भविष्य में काफी मददगार होंगे।